चैत्र कृष्ण पक्ष

29 मार्च से 12 अप्रैल 2021

ऋतु वसंत
सूर्य
उत्तरायण

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	29.03.21	6.19	18.34
अष्टमी	04.04.21	6.12	18.35
अमावस्या	12.04.21	6.02	18.41

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	सोम	हस्त	29.03.21	तुला 25.41	होली (धुलेंडी), वसन्तोत्सव
द्वितीया	मंगल	चित्रा	30.03.21	तुला	संत तुकाराम जयंती, श्री रंगजी मन्दिरोत्सव
तृतीया	बुध	स्वाती	31.03.21	वृश्चि. 28.57	चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय 21.41
चतुर्थी	गुरू	वि./अनु.	01.04.21	वृश्चिक	सर्वार्थ सिद्धि योग 7.21 से 29.18 तक
पंचमी षष्ठी	शुक्र	ज्येष्ठा	02.04.21	धनु 27.43	श्रीरंग पंचमी, एकनाथ षष्ठी, षष्ठी तिथि का क्षय
सप्तमी	शनि	मूल	03.04.21	धनु	शीतला पूजा (बासोड़ा)
अष्टमी	रवि	पूर्वाषाढ़	04.04.21	धनु	शीतलाष्टमी, कालाष्टमी ऋषभदेव जयंती, रंगजी रथोत्सव, स.सि. योग 26.5 से 30.11
नवमी	सोम	उत्तराषाढ़	05.04.21	मकर 8.05	सर्वार्थ सिद्धि योग 26.04 से 30.10 तक
दशमी	मंगल	श्रवण	06.04.21	मकर	दशमाता पूजन
एकादशी	बुध	धनिष्ठा	07.04.21	कुम्भ 15.03	पंचक आरम्भ 15.03 से, पापमोचनी एकादशी व्रत
द्वादशी	गुरू	शतभिषा	08.04.21	कुम्भ	पंचक, जल संसाधन दिवस
त्रयोदशी	शुक्र	पूर्वाभाद्र	09.04.21	मीन 24.18	पंचक, प्रदोष व्रत, रंग तेरस, शौर्य दिवस
चतुर्दशी	शनि	पूर्वाभाद्र	10.04.21	मीन	पंचक, मास शिवरात्री
अमावस्या	रवि	उत्तराभाद्र	11.04.21	मीन	पंचक, पितृकार्य अमावस्या, नौचंदी मेला मेरठ, सर्वार्थ सिद्धि योग 6.03 से 8.56 तक
अमावस्या	सोम	रेवती	12.04.21	मेष 11.28	पंचक समाप्त 11.28, सोमवती अमावस्या, स्नानदानादि अमावस्या, अमा. की वृद्धि, चान्द्र वि. संवत् 2077 पूर्ण, श्रीरस्तु

अभिजित् मुहूर्त : प्रत्येक दिन का मध्याह्न भाग (अनुमानत: 12 बजे के लगभग) अभिजित् मुहूर्त कहलाता है, जो मध्याह्न से पहले और बाद में 2 घड़ी अर्थात 48 मिनट का होता है। दिनमान के आधे समय को स्थानीय सूर्योदय के समय में जोड़ दें तो मध्याह्न काल स्पष्ट हो जाता है, जिसमें 24 मिनट घटाने और 24 मिनट जोड़ने पर अभिजित् का प्रारम्भ काल और समाप्ति काल निकल आता है। इस अभिजित् मुहूर्त में लगभग सभी दोषों के निवारण करने की अद्भुत क्षमता है। जब मुण्डनादि शुभ कार्यों के लिए शुद्ध लग्न न मिल रहा हो तो अभिजित् मुहूर्त काल में शुभ कार्य किये जा सकते है। **बुधवार को अभिजित् मुहूर्त वर्जित है।**